

RAJASTHAN JUDICIAL SERVICE MAINS EXAMINATION – MOCK TEST

Total Pages- 28

CODE NO.

Not to be filled by the Candidate
(अभ्यर्थी द्वारा नहीं भरा जाये)

Time: 3 Hours

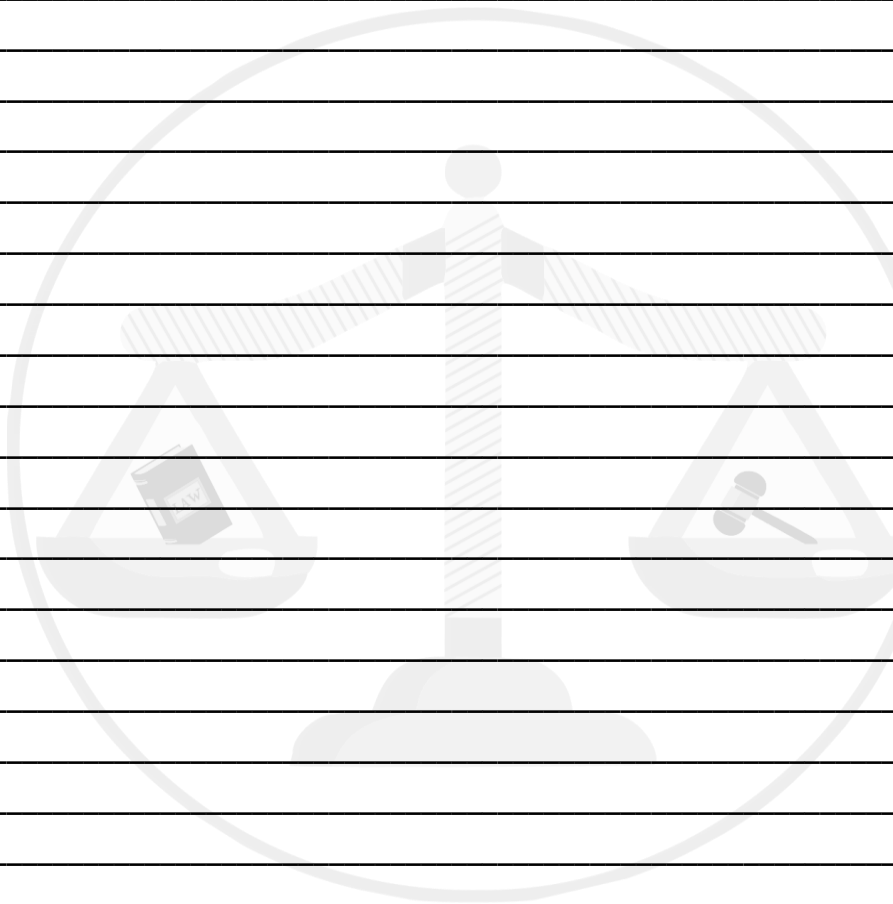
Maximum Marks: 100

IMPORTANT INSTRUCTIONS / महत्वपूर्ण निर्देश

1. Write the required particulars only on the flap provided on the top of "Question Paper-cum-Answer Book"; and not at any other place. / अपेक्षित विवरण केवल प्रश्न पत्र-सह-उत्तर पुस्तिका के ऊपर दिये गये प्लेप पर ही लिखें, अन्य किसी स्थान पर नहीं।
2. Do not write any mark of identity inside the "Question Paper-cum-Answer Book" (including paper for rough work) i.e. Roll No., Name, Address, Mobile No./Telephone No., Name of God etc. or any irrelevant word other than the answer of question. Such act will be treated as unfair means. In such a case his candidature shall be rejected for the entire examination. / प्रश्न पत्र-सह-उत्तर पुस्तिका (रफ कार्य के पृष्ठ सहित) के अन्दर कहीं पर भी कोई पहचान चिन्ह यथा, रोल नम्बर, नाम, पता, मोबाईल नम्बर/टेलीफोन नम्बर, देवताओं के नाम अथवा प्रश्न के उत्तर से असम्बन्धित कोई भी शब्द, वाक्य एवं अंक लिखे जाने या अंकित किये जाने को अनुचित साधनों का उपयोग माना जायेगा। ऐसा पाये जाने पर अभ्यर्थी की सम्पूर्ण परीक्षा में अभ्यर्थिता रद्द कर दी जायेगी।
3. A candidate found creating disturbance at the examination center or misbehaving with Invigilating Staff or cheating will render him liable for disqualification. He shall also be liable for penal action under The Rajasthan Public Examination (Prevention of Unfair Means) Act, 1992. / यदि कोई अभ्यर्थी परीक्षा केन्द्र पर व्यवधान उत्पन्न करता है या वीक्षण स्टाफ के साथ दुर्यवहार करता है अथवा वंचनापूर्ण कार्य करता है तो वह स्वयं ही अयोग्यता के लिए उत्तरदायी होगा। वह राजस्थान सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम, 1992 के तहत दण्डिक कार्यवाही हेतु भी उत्तरदायी माना जायेगा।
4. The number of questions and their marks are indicated in the "Question Paper-cum-Answer Book". / प्रश्नों की संख्या और उनके अंक प्रश्न पत्र-सह-उत्तर पुस्तिका में अंकित किये गये हैं।
5. The answers of the questions should strictly be written in the space provided below question and not elsewhere, otherwise, such answer shall not be assessed by the examiner. / प्रश्नों के उत्तर निरपवाद रूप से प्रश्न पत्र-सह-उत्तर पुस्तिका में प्रत्येक प्रश्न के नीचे दिये गये स्थान पर ही लिखें, कहीं और नहीं, अन्यथा ऐसे उत्तर का मूल्यांकन परीक्षक द्वारा नहीं किया जायेगा।
6. The candidate should write the answers in the provided space. No Supplementary Answer Book shall be provided in any case. / अभ्यर्थी उत्तर निर्धारित जगह में ही लिखें। किसी भी परिस्थिति में पूरक उत्तर पुस्तिका नहीं दी जायेगी।
7. Specify an option of language Hindi or English, by ticking ☒ checkmark in box of "Medium of Answer" on the flap and answer in the same opted language. / प्लेप पर "उत्तर के माध्यम" के चौखाने में भाषा हिन्दी अथवा अंग्रेजी में से एक विकल्प को ☒ द्वारा चिह्नित करें तथा उत्तर उसी चयनित भाषा में दीजिये।
8. In any question, if there is any discrepancy in English & Hindi versions, the English version is to be treated as standard. / किसी प्रश्न में अंग्रेजी व हिन्दी भाषान्तर में कोई अन्तर हो, तो अंग्रेजी भाषान्तर को प्रमाणिक माना जाये।
9. In case the "Question Paper-cum-Answer Book" is torn or not printed properly, bring it to the notice of Invigilator for change or direction, at earliest otherwise the candidate will be liable for that. / यदि प्रश्न पत्र-सह-उत्तर पुस्तिका कहीं से कटी-फटी या अमुद्धित है, तो शीघ्रताशीघ्र वीक्षक से कह कर उसे बदलवा लें या वीक्षक के ध्यान में ला दें, अन्यथा उसका दायित्व अभ्यर्थी का होगा।
10. Possession of any type of electronic device is strictly prohibited in the Examination Hall. / परीक्षा कक्ष में किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक संयंत्र के साथ प्रवेश करना सर्वथा वर्जित है।

[03 Marks]

‘मृतक की कंपनी’ में “आखिरी बार देखा गया” के सिद्धांत की व्याख्या करें।



Linking Laws

"Link the Life with Law"

[05 Marks]

10

A और Z मनोरंजन के लिए एक दूसरे के साथ असिक्रीड़ा के लिए सहमत होते हैं। इस करार का अर्थ है कि ऐसी असिक्रीड़ा के दौरान होने वाली किसी भी चोट को बिना किसी बेईमानी के झेलने के लिए प्रत्येक की सहमति। A खेलते समय Z को काफी उपहती पहुँचाता है। क्या A ने कोई अपराध किया है? बताएं कि कौन सी धारा वर्तमान स्थिति पर लागू होती है और क्यों?



Linking Laws

"Link the Life with Law"

All Judiciary Exam

[03 Marks]

अग्रिम जमानत और नियमित जमानत के बीच अंतर कीजिये ।



Linking Laws

"Link the Life with Law"

[05 Marks]

दिल्ली के एक पब्लिक स्कूल में शिक्षक X ने दूसरी कक्षा के छात्र Y पर लकड़ी की छड़ी से हमला किया। इससे उसकी बाईं आंख पर चोट लग गई। इलाज और सर्जरी के बावजूद आंखों की रोशनी चली गई। Y के पिता ने 25 दिन बाद FIR दर्ज कराई। X द्वारा किये गये अपराध की प्रकृति क्या है?



Linking Laws

"Link the Life with Law"

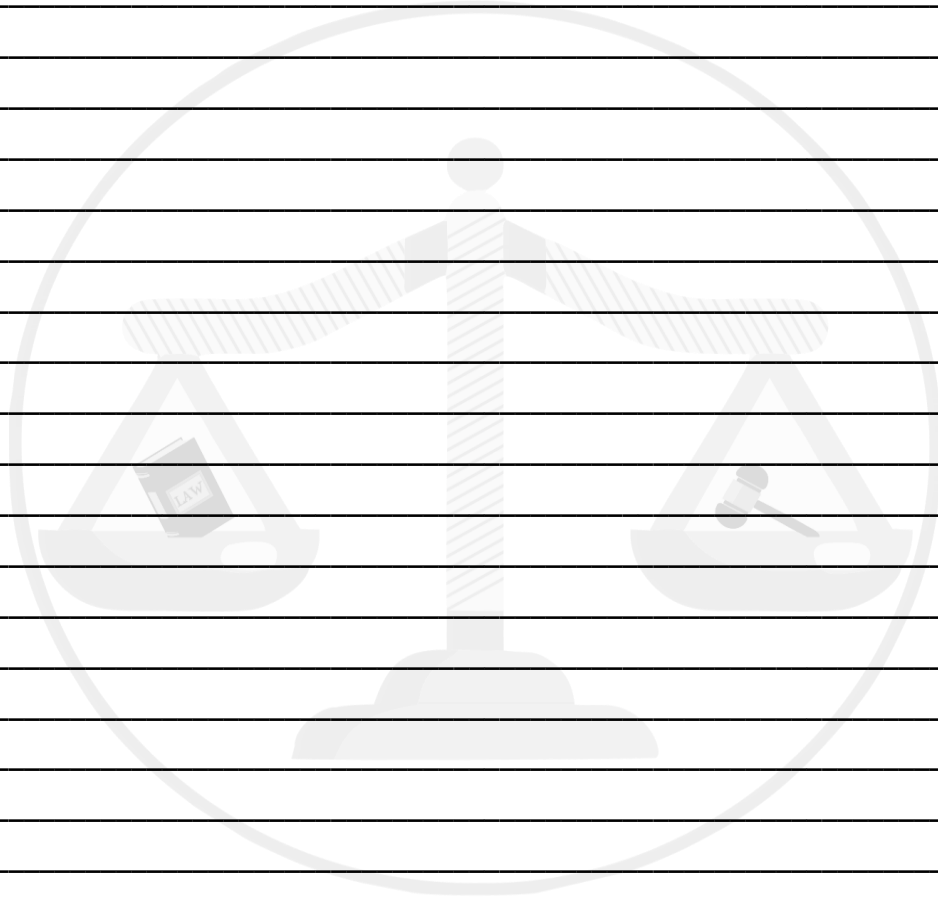
All Judiciary Exam

Question 05

[06 Marks]

Discuss the provisions of Code of criminal procedure regarding the proceedings taken against any person under section 125.

धारा 125 के अंतर्गत किसी व्यक्ति के विरुद्ध की गई कार्यवाही के संबंध में दंड प्रक्रिया संहिता के प्रावधानों पर चर्चा करें।



Linking Laws

"Link the Life with Law"

All Judiciary Exam



Linking Laws

"Link the Life with Law"

All Judiciary Exam

Question 06

[03 Marks]

Write the Fundamental rights under constitution of India.

भारत के संविधान के अंतर्गत मौलिक अधिकार लिखिए।

Question 07

[06 Marks]

Write the composition of Child welfare Committee. Also write its functions. What will be effect of non-compliance of the order of the committee?

बाल कल्याण समिति की संरचना लिखिए। इसके कार्य भी लिखिए। समिति के आदेश का पालन नहीं करने पर क्या असर होगा?

Linking Laws
"Link the Life with Law" All Judiciary Exam



Linking Laws

"Link the Life with Law"

All Judiciary Exam

Question 08

[06 Marks]

Who is an agent under Indian contract act? What are the rights of an agent? when agency may be terminated?

भारतीय संविदा अधिनियम के तहत अभिकर्ता कौन है? एक अभिकर्ता के क्या अधिकार हैं? अभिकरण कब समाप्त की जा सकती है?



Linking Laws

"Link the Life with Law"

All Judiciary Exam

Question 09

Explain the Doctrine of confirmation by subsequent facts.

पश्चातवर्ती तथ्यों द्वारा पुष्टिकरण के सिद्धांत की व्याख्या करें।

[03 Marks]

Linking Laws

"Link the Life with Law"

All Judiciary Exam

Question 10

[04 Marks]

In what circumstances the accused can move an application for recording his confessional statement under section 164 of Code of Criminal procedure?

किन परिस्थितियों में अभियुक्त दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 164 के तहत अपना संस्वीकृति कथन अभिलिखित करने के लिए आवेदन दायर कर सकता है?

Linking Laws

"Link the Life with Law"

All Judiciary Exam

Question 11

[05 Marks]

What is a suit? Explain the essentials for instituting a suit.

वाद क्या है? एक वाद संस्थित करने के लिए आवश्यक बातें बताएं।



Linking Laws

"Link the Life with Law"

All Judiciary Exam

Question 12

[06 Marks]

Explain with example, What remedy is available to any party in case of any order passed against to him

I. When such order is appealable

II. When such order is non-appealable

उदाहरण सहित स्पष्ट करें कि किसी भी पक्ष के विरुद्ध कोई आदेश पारित होने की स्थिति में उसके पास क्या उपाय उपलब्ध है

I. जब ऐसा आदेश अपील योग्य हो

II. जब ऐसा आदेश अपील योग्य न हो

Linking Laws

"Link the Life with Law"

All Judiciary Exam



Linking Laws

"Link the Life with Law"

All Judiciary Exam

[06 Marks]

बताएं कि सरकारी कर्तव्य के तहत किए गए कार्य के लिए किसी लोक सेवक के विरुद्ध कैसे वाद संस्थित किया जा सकता है? सिविल प्रक्रिया संहिता की धारा 80 के अंतर्गत किसी लोक सेवक को सूचना किस प्रकार दी जाती है, वह लिखें?



Linking Laws

"Link the Life with Law"

All Judiciary Exam

Question 14

[04 Marks]

Who may obtain specific performance under section 15 of specific relief act?

विनिर्दिष्ट अनुतोष अधिनियम की धारा 15 के तहत विनिर्दिष्ट पालन कौन प्राप्त कर सकता है?

Linking Laws

"Link the Life with Law"

All Judiciary Exam

[04 Marks]

--

सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 के तहत मिथ्या या तंग करने वाले दावों या प्रतिरक्षा के संबंध में प्रतिपूरक खर्च लगाने की न्यायालय की शक्ति पर संक्षेप में चर्चा करें।

Linking Laws

[05 Marks]

दंड प्रक्रिया संहिता 1973 में आरोप विचरित करने या आरोप न लगाने में भूल और त्रुटियों के परिणाम बताएं?

[illegible]



Question 17

[06 Marks]

Explain high court power as to

(1) writ jurisdiction

(2) Inherent Power under Procedure law.

Whether Res-judicata applies to writ proceeding?

उच्च न्यायालय की शक्तियों की व्याख्या करें

(1) रिट क्षेत्राधिकार

(2) प्रक्रियात्मक विधि के तहत अंतर्निहित शक्तियाँ।

क्या प्राङ्गन्याय रिट कार्यवाही पर लागू होता है?



Linking Laws

"Link the Life with Law"

All Judiciary Exam

Question 18

[04 Marks]

"All contracts are agreements but all agreements are not contract". Elaborate it.

"सभी संविदा करार हैं लेकिन सभी करार संविदा नहीं हैं"। इसे विस्तृत करें।

Linking Laws

"Link the Life with Law"

All Judiciary Exam

Question 19

[06 Marks]

In this case the plaintiff Mr. A had filed a suit through B, a partner of that firm based on promissory note for recovery of Rs. 68000/-.

इस मामले में वादी श्री A ने 68000/- रुपये की वसूली के लिए वचन पत्र के आधार पर उस फर्म के एक भागीदार B के माध्यम से वाद दायर किया था।

After filing of the written statement was filed, the plaintiff filed an application for amendment of pleading on the ground of inadvertent omission to mention the material fact that the firm had been dissolved before the institution of the suit to enable the court to consider and decide the subject matter of the suit in its true perspective and to meet ends of justice.

लिखित कथन दायर करने के बाद, वादी ने तात्त्विक तथ्य का उल्लेख करने के लिए अनजाने लोप के आधार पर अभिवचन में संशोधन के लिए एक आवेदन दायर किया कि फर्म को वाद संस्थित होने से पहले ही भंग कर दिया गया था ताकि न्यायालय को वाद की विषय वस्तु पर उसके वास्तविक परिप्रेक्ष्य में विचार करने और निर्णय लेने और न्याय के उद्देश्य को पूरा करने में सक्षम बनाया जा सके।

The Trial Court and the High Court refused to allow amendment of pleading on the ground that it would amount to the introduction of a new time barred cause of action. The plaintiff challenged the order before the Supreme Court.

Whether the amendment of the pleadings will arise a new cause of action in the pleading?

विचारण न्यायालय और उच्च न्यायालय ने इस आधार पर अभिवचन में संशोधन की अनुमति देने से इनकार कर दिया कि यह एक नया समय द्वारा वर्जित वाद हेतुक पेश करने जैसा होगा। वादी ने इस आदेश को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी। क्या अभिवचनों में संशोधन से अभिवचन में एक नया वाद हेतुक उत्पन्न होगा?



Linking Laws

"Link the Life with Law"

All Judiciary Exam

[10 Marks]

निम्नलिखित का सावधानी से पठन करें तथा आवश्यक आरोप विचरित करके निर्णय लिखें।

The prosecution case is that on 11-6-2010 Shri Rajendra Patel, the father of a student named Ashok Patel submitted his son's marksheet to use it for securing admission in the Medical College. The total marks shown in the marksheet were more than that which the student would have got even if he had secured cent-percent marks, which raised the suspicion of the Admission Scrutiny Committee, headed by Dr. D.S. Tomar. Moreover, the said marksheet purported to have been issued after revaluation, bore the same date and seal as that of the original marksheet. Dr. D.S. Tomar, therefore, lodged an F.I.R. against Shri Rajendra Patel in shastri Nagar, Police Station, Jodhpur.

अभियोजन का प्रकरण यह है कि दिनांक 11-6-2010 को श्री राजेन्द्र पटेल, जो अशोक पटेल नामक विद्यार्थी के पिता थे, द्वारा अपने पुत्र की कूटरचित मार्कशीट चिकित्सा महाविद्यालय में प्रस्तुत की गई ताकि उनके पुत्र को दाखिला मिल सके। मार्कशीट में दिखाए गए कुल अंकों का योग उस संख्या से भी अधिक था जो किसी विद्यार्थी को शत-प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर योग संख्या होती, जिसके कारण डॉ. डी.एस. तोमर की अध्यक्षता वाली प्रवेश जांच समिति को उक्त मार्कशीट कूटरचित होने का संदेह हुआ। इसके अतिरिक्त, उक्त मार्कशीट जो पुनर्मूल्यांकन के बाद जारी की गई अभिप्रेत थी, पर वहीं दिनांक तथा सील अंकित थी जैसी की मूल मार्कशीट पर थी। अतः डॉ. डी.एस. तोमर ने शास्त्री नगर पुलिस थाना, जोधपुर में श्री राजेन्द्र पटेल के विरुद्ध प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराई।

During investigation, necessary seizure was done. After completion of investigation, the police filed charge-sheet against Shri Rajendra Patel.

प्रकरण के अन्वेषण के दौरान आवश्यक जब्ती की गई तथा अन्वेषण पूर्ण होने के बाद पुलिस ने श्री राजेन्द्र पटेल के विरूद्ध आरोप-पत्र प्रस्तुत किया।

Defence Counsel raised the plea that the accused had not himself forged the marksheet and that he did not know that the marksheet was a forged one. It was also pleaded on his behalf that the alleged forgery had not actually been acted upon and, therefore, he cannot be held guilty of this offence.

बचाव-पक्ष की ओर से यह दलील प्रस्तुत की गई कि अभियुक्त ने स्वयं मार्कशीट की कूटरचना नहीं की थी और वह नहीं जानता था कि मार्कशीट कूटरचित थी। उसकी ओर से यह दलील भी प्रस्तुत की गई कि कथित कूटरचना वास्तव में कार्यरूप में परिणित नहीं होने के कारण उसे इस अपराध का दोषी नहीं ठहराया जा सकता है।

Linking Laws

"Link the Life with Law" All Judiciary Exam



Linking Laws

"Link the Life with Law"

All Judiciary Exam



Linking Laws

"Link the Life with Law"

All Judiciary Exam



Linking Laws

"Link the Life with Law"

All Judiciary Exam

रफ कार्य



Linking Laws

"Link the Life with Law"

All Judiciary Exam